

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर अधिसूचना

दिनांक 30 जून, 2003

क्रमांक 1339-ज-2-2003/13859.—श्री मेजर अली पुत्र श्री पीरू गांव गरवां, तहसील लोहारू अब सिवानी, जिला भिवानी की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1369-ज-1-76/22905, दिनांक 28 जुलाई, 1976 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त, 1993 द्वारा 1000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री मेजर अली की दिनांक 15 अक्टूबर, 2001 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री मेजर अली की पत्नी श्रीमती सुभानी के नाम खरीफ 2002 से 5000 रुपये वार्षिक की संशोधित दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1252-ज-2-2003/13866.—श्री पिरथी सिंह पुत्र श्री शेर सिंह निवासी गांव लुहारहेड़ी, तहसील झज्जर अब बहादुरगढ़, जिला रोहतक अब झज्जर की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2449-आर-4-67/2211, दिनांक 7 जुलाई, 1967 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये और बाद में अधिसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त, 1993 द्वारा 1000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री पिरथी सिंह की दिनांक 20 नवम्बर, 2001 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री पिरथी सिंह की पत्नी श्रीमती मेहरो देवी के नाम खरीफ 2001 से 1000 रुपये तथा रबी 2002 से 5000 रुपये वार्षिक की संशोधित दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

नरेश कुमारी,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।

IRRIGATION DEPARTMENT

Order

The 3rd July, 2003

No. 18/Panipat (RIDF).—Whereas land described in the Haryana Government declaration No. 17/YWS/Panipat (RIDF), dated 2nd June, 2003 issued under Section 6 of Land Acquisition Act, 1894 has been declared to be needed at the expenses of Irrigation Department, Haryana, Panchkula for public purposes namely for the construction of Effluent Channel from RD. 0 to 8850 off-taking from S. T. P. Binjhol and outfalling at RD. 32400/R Nohra Drain.

Now, therefore, in exercise the powers conferred by Section 7 of Land Acquisition Act, 1894. The Government of Haryana hereby direct to the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Panipat to take order for the acquisition of land described in specifications appended to the declaration published with the above said Gazette Notification.

By order of Governor of Haryana.

R. R. DUDEJA,

Superintending Engineer,
Y. W. S. Circle, Karnal.